क परिवर्तन के लिए सोच बदलने की जरूरत : राज्यपाल

ेनानियों के दिखाए मार्ग पर चलना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि : किरण शर्मा चोपड़ा

करनाल के एनडीआरआई में महान स्वतंत्रता सैनानी बाबू मूलचंद जैन की जन्मशताब्दी के अवसर पर आयोजित समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ,मंच पर आसीन सांसद की धर्मपत्नी श्रीमती किरण शर्मा चोपड़ा राज्यपाल से चर्चा करते हुए तथा समारोह को संबोधित करती श्रीमती चोपड़ा। (छाया:गोयल)

कार्यक्रम

सामाजिक और आर्थिक आजादी के लिए आस्था के साथ काम करना बेहद जरूरी

क अपनी आस्था के दम पर आजादी
ी लड़ाई लड़ी और अपने लक्ष्य को
षम परिस्थितियों से जूझते हुए
पने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। इसी
कार की आस्था की हमें वर्तमान में
ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि अंग्रेज
श छोड़ कर चले गए लेकिन अभी
ी अंग्रेजियत नहीं गई है। जरूरत
स बात की है कि देश से अंग्रेजियत
ो भी खत्म किया जा सके। यह सब
श की सभ्यता, संस्कृति, नैतिक और
ामाजिक मूल्यों का आचरण करते हुए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि हमें अपने देश का सम्मान करना है तो इसके लिए अपनी संस्कृति का सम्मान करना होगा। भारत की संस्कृति दुनिया के लिए हमेशा ही प्रेरक रही है। किसी के रूतबे को देखकर हमें अपना आचरण नहीं बिगाड़ना चाहिए बल्कि महापुरुषों से प्रेरणा लेकर अपने आचरण को और मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि मूलचंद जैन ने मात्र 22 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता संग्राम में अपने आप को शामिल कर लिया। कई बार जेलों में जाना पड़ा, यातनाएं सही, लेकिन उनका हौसला कम नहीं हुआ। समारोह में स्वतंत्रता सैनानी महावीर प्रसाद जैन द्वारा लिखी एक पुस्तिका उनकी धर्मपत्नी शांता जैन ने राज्यपाल को भेंट की । इस मौके पर जन्मशताब्दी समारोह की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान के पूर्व सांसद एवं जैन विश्व भारती लाडनू के पूर्व वीसी डा.रामजी सिंह ने कहा कि देश को राजनैतिक आजादी मिल गई है, लेकिन सोच में परिवर्तन अभी भी नहीं हुआ है। यह बाबू मूलचंद जैन की जन्मशताब्दी ही नहीं ,बल्कि कर्म शताब्दी भी है। हरियाणा स्वतंत्रता सम्मान समिति के अध्यक्ष बाबू हरि राम आर्य ने अपने सम्बोधन में कहा कि आजादी से पहले देश में 600 से अधिक रियासते हुआ करती थी। इन सभी को इकट्ठा करने के लिए स्वाधीनता सैनानियों ने जी तोड़ मेहनत की। स्वतंत्रता सैनानी अब अंतिम पड़ाव में हैं। राज्य में केवल 85 स्वतंत्रता सैनानी बचे हैं, इनसे हमें कुछ अनुभव लेने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा उन्हें 25 हजार रुपये पेंशन, 51 हजार रुपये पोती की शादी के लिए कन्यादान के रूप में दिये जाते हैं, जबकि यदि कोई स्वतंत्रता सैनानी अपनी सांसारिक यात्रा छोड़कर चला जाता है तो उसे उसी समय अंतिम संस्कार के लिए 5 हजार रुपये दिये जाते हैं। नगर निगम की महापौर रेनू बाला गुप्ता ने भी राज्यपाल का स्वागत करते हुए बाबू मूलचंद जैन को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलने के लिए संकल्प लेने की बात कही। जन्मशताब्दी समारोह में पूर्व मंत्री शशिपाल मेहता, नरेन्द्र सुखन, बालकिशन कौशिक, स्वामी प्रेम मूर्ति महाराज, डा.सुशील जैन, पूर्व विधायक रोशन लाल आर्य, डा.अभिषेक गुप्ता, विष्णु अग्रवाल, महावीर त्यागी, प्रशासन की ओर से डीसी डा. जे.गणेशन, एसपी पंकज नैन, एडीसी गिरीश अरोड़ा सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा भेजा गया संदेश पढ़ा ओएसडी अमरेन्द्र ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल की तरफ से इस मौके पर ओएसडी अमरेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री द्वारा भेजा गया संदेश पढ़कर सुनाया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बाबू मूलचंद जैन जी का जीवन देश सेवा के लिए समर्पित रहा। युवा अवस्था से ही संघर्ष करते हुए देश की आजादी के लिए उन्होंने कई बार जेल की यातनाएं सही ,लेकिन उनके मनोबल को अंग्रेजी सरकार कमजोर नहीं कर पाई। बाबू मूलचंद एक महान स्वतंत्रता सैनानी, सच्चे राष्ट्रभक्त, निडर, गरीबों, किसानों और समाज के हर वर्ग के साथी थे। उन्होंने अपना सारा जीवन देश की सेवा को समर्पित कर दिया। अपने संदेश के माध्यम से मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आजादी की लड़ाई में अपना सबकुछ न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सैनानियों को श्रद्धांजलि दी तथा कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्वतंत्रता सैनानियों को पेंशन के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाती है। स्वतंत्रता सैनानियों के मान-सम्मान में सरकार किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ेगी।

बाबू मूलचंद जैन जी का जन्मशताब्दी समारोह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत मायने रखता है

करनाल के सांसद अश्विनी कुमार चोपड़ा की धर्मपत्नी किरण शर्मा चोपड़ा ने कहा कि बाबू मूलचंद जैन जी का जन्मशताब्दी समारोह मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत मायने रखता है। महान स्वतंत्रता सैनानी बाबू मूलचंद जैन मेरे दादा ससुर यानी के पड़ससुर स्वतंत्रता सैनानी लाला जगत नारायण जी के सहयोगी थे। मैंने उनके संस्कारों को अपने दादाससुर के संस्कारों में अनुभव किया है। बुजुर्गों का मान-सम्मान हमारी संस्कृति में है। इसलिए करनाल सहित अन्य स्थानों पर करनाल केसरी क्लब की स्थापना की है। इन क्लबों में बुजुर्गो को बुनियादी सुविधाएं दी जाती है। जन्मशताब्दी समारोह में राज्यपाल प्रो.कप्तान सिंह सौलंकी ने महान स्वतंत्रता सैनानी बाबू मूलचंद जैन के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देने वालों में समारोह के अध्यक्ष डा.राम जी सिंह, स्वतंत्रता सम्मान समिति के अध्यक्ष बाबू हरि राम आर्य, कैबिनेट मंत्री कविता जैन, सीपीएस बख्शीश सिंह विर्क, महापौर नगर निगम रेनू बाला गुप्ता, अशोक जैन, हरीश जैन, सपना जैन, स्वतंत्र जैन, योगेश जैन, शीलू जैन, स्वतंत्रता सैनानी महावीर प्रसाद जैन की धर्मपत्नी श्रीमती शांता जैन भी शामिल थीं।

जन्मशताब्दी

देश और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए स्वतंत्रता सैनानियों ने अर्पित की श्रद्धांजलि